वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 53 | बुधवार 21 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

हरिनाम संकीर्तन के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

एक ही रथ में विराजे भाई बलदेव, बहन सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ

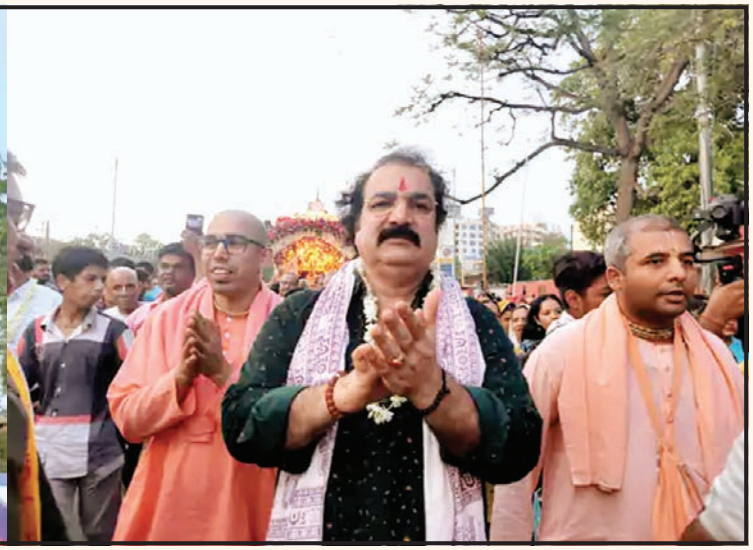

जयपुर. कासं

गुलाबी नगरी जयपुर में जगन्नाथ पुरी के तर्ज पर भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई। श्री कृष्ण-बलराम मंदिर, जगतपुरा की ओर से शाम 5 बजे भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा कलेक्ट्रेट सर्किल के पास जंगलेश्वर महादेव मन्दिर से अल्बर्ट हॉल तक निकाली गई। यात्रा का जगह-जगह फूलों की बारिश कर स्वागत किया गया, वहीं भक्तो के लिए जल एवं शरबत की व्यवस्था की गई। भक्त रास्ते में हरिनाम संकीर्तन कर नाचते झूमते रहे। कीर्तन टोली में करताल, मृदंगा, हार्मोनियम, पर लोग नाचते गाते रहे। यात्रा का समापन अल्बर्ट हॉल पर भव्य आतिशबाजी के साथ हुई। मंदिर के अध्यक्ष अमितासना दास ने बताया कि जगन्नाथ पुरी में आज भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकल रही है ' इस अवसर पर गुलाबी नगरी जयपुर में भी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई इस रथयात्रा में तीन नहीं, बल्कि एक ही रथ में भाई बलदेव, बहन सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ विराजमान हुए। रथ की लंबाई 30 फीट, चौड़ाई 10 फीट और रस्सी 108 फीट की रही। इस रथ का रंग जगन्नाथ पुरी के रथ जैसा पीला और लाल रंग का रहा।

पहली बार एमआई रोड से निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

इससे पहले यह यात्रा हर साल चौड़ा रास्ता स्थित राधा-दामोदर जी के मंदिर से निकलती थी। इस बार भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा एमआई रोड के श्री मंगलेश्वर महादेव मंदिर (भारत पेट्रोल पंप के पास) से शुरू होकर खासा कोठी पुलिया के नीचे से होते हुए गणपति प्लाजा, गवर्मेंट हॉस्टल चौराहा, राजमंदिर चौराहा, अजमेरी गेट से होते हुए राजस्थान स्काउट्स एंड गाइड्स गार्डन में पहुंचकर संपन्न हुई। अहमदाबाद में तैयार हुए रथ को बिजली के तारों से बचाने के लिए हाइड्रोलिक सिस्टम लगाया गया। इससे रथ की ऊंचाई कम ज्यादा की जा सकी। रथ का गोपुरम जयपुर में लगाया गया। रथ को भव्य रूप से रंगबिरंगे फूलो लाइट्स से सजाया गया। रथ का गर्भ ग्रह वृंदावन में बनकर तैयार हुआ। रथयात्रा में सबसे आगे ढोल नगाड़े के साथ राजस्थानी अंदाज में सजे ऊंट, घोड़े, बैंड, लाइट्स, भी शामिल हुए। रथयात्रा प्रारम्भ होने से पहले धार्मिक अनुष्ठान किए गए। उसके बाद हरिनाम संकीर्तन के साथ रथयात्रा शुरू हुई। रथ यात्रा के शुभारम्भ में कैबिनेट मंत्री महेश जोशी (जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं भू-विभाग, राजस्थान सरकार), कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास (खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, राजस्थान सरकार), मुनेश गुर्जर (महापौर - जयपुर नगर निगम विरासत), रवि प्रकाश सैनी (पार्षद, जयपुर नगर निगम हेरिटेज), अमितासना दास (अध्यक्ष, हरे कृष्ण मूवमेंट, जयपुर) एवं अनंतशेष दास (उपाध्यक्ष, हरे कृष्ण मूवमेंट) उपस्थित रहे। जगन्नाथ पुरी की इस परंपरा का पालन करते हुए, श्री कृष्ण बलराम मंदिर, जगतपुरा के भक्तों द्वारा यह भव्य रथ यात्रा महोत्सव मनाया गया। जिससे भक्तों को रथ खींचने, कीर्तन में भाग लेने और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला।

30वाँ पावन वर्षायोग 2023

भव्य मंगल प्रवेश

पूज्य उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज

21 जून 2023

उपाध्याय श्री बुधवार दिनांक 21-6-2023 को प्रातः6.15 बजे श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर सोनियान, ख्वास जी के रास्ते से प्रस्थान कर सुभाष चौक, जोरावर सिंह गेट, जलमहल से आमेर में मावठे की पाल पर पहुँचेगे।

भव्य जूलुस - प्रातः7.45 बजे .....सुसज्जित लवाजमें के साथ युवा एवं महिला मण्डलों एवं सकल जैन समाज की उपस्थिति के मध्य श्री 1008 संकटहरण पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर फागीवाला, आमेर में शोभायात्रा के साथ वर्षायोग हेतु मंगल प्रवेश करेंगे।

चित्र अनावरणकर्त्ता :
श्रेष्ठी श्री अजय कुमार जी सौरभ जी जैन पाण्ड्या
(एवरग्रीन कॉरपोरेशन)

दीप प्रज्जवलनकर्त्ता :
श्रेष्ठी श्री रामगोपाल जी सर्राफ
(एन्टीक्यूरियर)

चातुर्मास स्थल-
श्री 1008 संकटहरण पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
पार्श्वनाथ धाम, खादी घर,
नीलम सिनेमा के सामने, आमेर, जयपुर-302 028

उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्तसागर जी मुनिराज वर्षायोग समिति-2023

श्री 1008 संकटहरण पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर आमेर, जयपुर
अन्तर्गत..मोताबाई केसरलाल फागीवाला चैरिटेबल ट्रस्ट

गौरवाध्यक्ष
सुधान्शु कासलीवाल

अध्यक्ष
ताराचन्द जैन 'स्वीट कैटर्स' 98290-18535

महामंत्री
दौलतमल फागीवाला 98870-01900

मुख्य संयोजक
रुपेन्द्र छाबड़ा 'अशोक' 93145-15597

स्वागताध्यक्ष
महेन्द्र कुमार जैन पाटनी
माणक चन्द फागीवाला
नरेश कुमार पापड़ीवाल
देवप्रकाश खण्डाका
महावीर प्रसाद फागीवाला

उपाध्यक्ष
सुखानन्द काला
सुरेश चन्द जैन'बाँदीकुई'
शिखरचन्द बैराठी
राजकुमार कोठ्यारी
जे.के.जैन, कोटावाले

मंत्री
निर्मल कुमार सेठी, मुकुन्दपुरा
राजेश गंगवाल, नेमीसागर
जे.के.जैन (कोलकाता)
धर्मेन्द्र जैन फागीवाला
शिखरचन्द गोधा (सारसोप)

कोषाध्यक्ष
नेम कुमार फागीवाला

मुख्य समन्वयक
मनीष बैद

समन्वयक
महेश सेठी 'मालपुरावाले'
पूरण गंगवाल 'चौरुवाले'

संयोजक
जिनेन्द्र गंगवाल 'जीतू'
प्रमोद जैन 'बावड़ी'

प्रचार संयोजक
राकेश गोदीका, बाबूलाल जैन इंदुन्दा, रमेश गंगवाल,
राजेश जैन 'लोधा', निर्मल पाटोदी 'धुवां'

निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर

विश्व योग दिवस पर विशेष

जीवन पद्धति है योग...

डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर

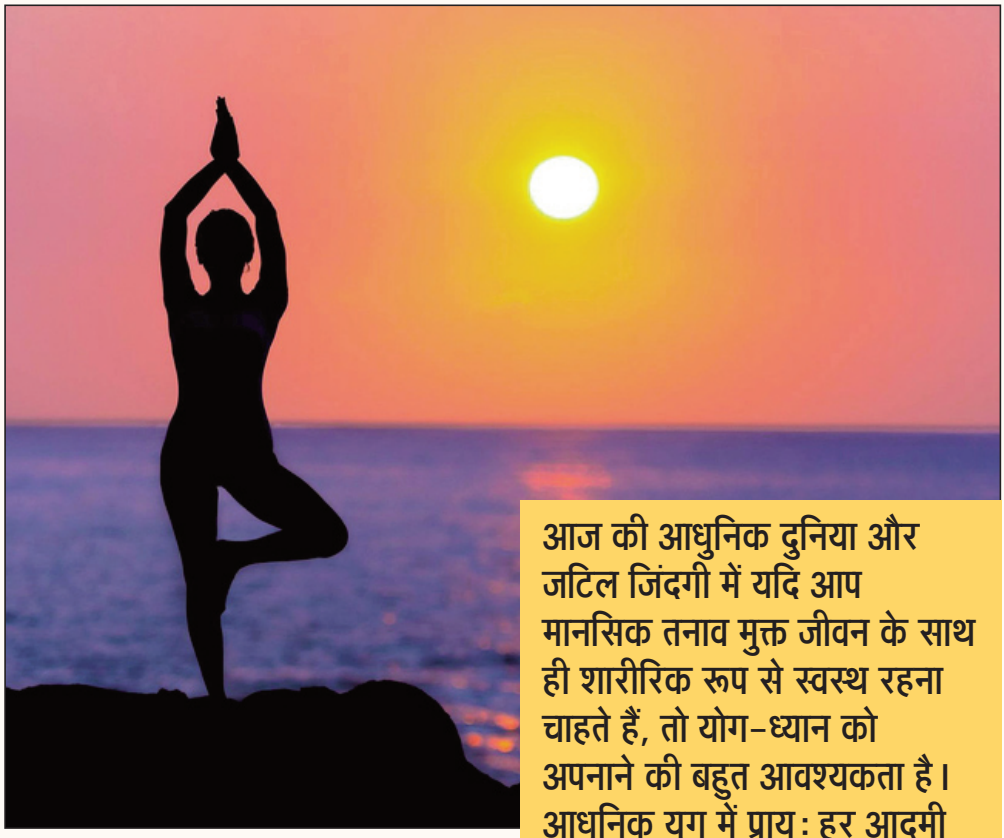

योग भारतीय संस्कृति की हजारों-लाखों वर्ष पुरानी अमूल्य विरासत है लेकिन जब कोरोना संक्रमण का कोहराम मचा तो यह सेहत का ऐसा मंत्र हो गया जिसे सभी चिकित्सा पद्धतियों के महारथियों ने दोहराया। सभी ने माना कि घर पर रहकर भी प्राणायाम, आसन और ध्यान करके सुरक्षा कवच हासिल कर सकते हैं। योग शरीर, मन व आत्मा का अथवा मन-वचन-कर्म या आत्मा व परमात्मा का जुडना ही है। भारतीय जीवन दृष्टि में योग, अध्यात्म और मानसिक शांति एक समग्र, संतुलित, समृद्ध और सुंदर-सुखद जीवन के आधार हैं। शरीर और मन के बीच सम्यक संतुलन के प्रमुख आधार यही हैं। स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ मन और स्वस्थ मन के लिए स्वस्थ शरीर आवश्यक है। जैसे मानव शरीर में हर संतुलन के लिए दो-दो आधार हैं ''**दो हाथ, दो पैर इत्यादि; इसी तरह स्वास्थ्य के भी दो आधार हैं**'' मानसिक व शारीरिक। योग, अध्यात्म और मानसिक स्वास्थ्य की इस त्रिवेणी में प्रवाहमान जीवन की पूर्णता का प्रयास हमें एक समुचित, सार्थक और सम्यक जीवन दृष्टि देने वाला हो सकता है। इसे समझना जरूरी है। 'योग' सम्पूर्ण विश्व को भारतीय संस्कृति की एक विशिष्ट और मौलिक देन है। भारत में ही विकसित लगभग सभी धर्म-दर्शन अपने प्रायोगिक रूप में किसी न किसी रूप में योग साधना से समाहित हैं तथा वे सभी इसकी आध्यात्मिक, दार्शनिक, सैद्धान्तिक और प्रायोगिक व्याख्या भी करते हैं। आधुनिक मनुष्य के लिए योग-ध्यान बहुत ही जरूरी हो गया है। आज की आधुनिक दुनिया और जटिल जिंदगी में यदि आप मानसिक तनाव मुक्त जीवन के साथ ही शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो योग-ध्यान को अपनाने की बहुत आवश्यकता है। आधुनिक युग में प्रायः हर आदमी जिंदगी की व्यस्तताओं, जटिलताओं, पर्यावरण प्रदूषण, शोरगुल तथा विभिन्न आधुनिक मशीनों से निकलने वाले सुक्ष्म तरंगों के प्रभाव से शारीरिक, मानसिक तनाव तथा थकान अनुभव करता है। योग-ध्यान से इसके दुष्प्रभाव से बचा जा सकता है। यह शरीर और मन को नियंत्रित करके जीवन को बेहतर बनाता है। योग हमेशा स्वस्थ जीवन जीने का एक विज्ञान है। यह एक दवा की तरह है, जो हमारे शरीर के अंगों के कार्यों करने के ढ़ंग को नियमित करके विभिन्न बीमारियों को धीरे-धीरे ठीक करता है। योग और ध्यान को अध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से हमारे शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए अनिवार्य माना गया है। योग सिर्फ शरीर को तोड़ने-मरोड़ने का दूसरा नाम नहीं हैं। सनातन योग के अद्भुत फायदों का लोहा सिर्फ भारत ही नहीं पूरे विश्व के लोगों ने माना है क्योंकि योग के माध्यम से मस्तिष्क और शरीर का संगम होता है। यह एक आध्यात्मिक अभ्यास है, जो शरीर और मस्तिष्क के संतुलन के साथ ही प्रकृति के करीब आने के लिए ध्यान के माध्यम से किया जाता है। यह पहले समय में, हिन्दू, बौद्ध और जैन धर्म के लोगों द्वारा किया जाता था। वास्तव में योग भारतीय परंपरा की एक समृद्ध देन है । भारत में प्राचीन काल से ही जैन परंपरा ने योग एवं ध्यान विषयक महत्वपूर्ण अवदान दिया है। जैन धर्म में योग अत्यन्त प्राचीन है। जैन धर्म के अनुसार योग के प्रवर्तक भगवान ऋषभदेव जी है, वे संसार के प्रथम योगी थे ।जैन धर्म में तीर्थंकर महाप्रभु पद्मासन और खड्गासन कि मुद्राओ में नजर आते हैं। पुरातात्विक साक्ष्यो के अनुसार सिंधु घाटी सभ्यता में मिली जैन तीर्थंकरों की मूर्तियां कार्योत्सर्ग योग कि मुद्रा में थी। सभी जैन मुनि योग अभ्यास करते हैं। दैनिक जीवन में योग का अभ्यास शरीर को आन्तरिक और बाहरी ताकत प्रदान करता है। यह शरीर के प्रतिरोधी प्रणाली को मजबूती प्रदान करने में मदद करता है, इस प्रकार यह विभिन्न और अलग-अलग बीमारियों से बचाव करता है। यदि योग को नियमित रुप से किया जाए तो यह दवाईयों का दूसरा विकल्प हो सकता है। यह प्रतिदिन खाई जाने वाली भारी दवाईयों के दुष्प्रभावों को भी कम करता है। प्राणायाम और कपाल-भाति जैसे योगों को करने का सबसे अच्छा समय सुबह का समय है, क्योंकि यह शरीर और मन पर नियंत्रण करने के आज दुनियाभर में योग को लोग अपने जीवन में शामिल कर रहे हैं और योगासनों के अभ्यास से स्वस्थ मन और तन की प्राप्ति का प्रयास कर रहे हैं। योग की इसी उपयोगिता से सभी को जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाया जाता है। योग दिवस 2023 की थीम 'वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग' **(Yoga for Vasudhaiva Kutumbakam)** है। वसुधैव कुटुंबकम का अर्थ है- धरती ही परिवार है। इस थीम से तात्पर्य धरती पर सभी लोगों के स्वास्थ्य के लिए योग की उपयोगिता से है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस योग और प्राणायाम का सेहत और जीवन में महत्व समझने के लिए मनाया जाता है। ये दिन योग के प्रति लोगों को जागरूक करता है। योग कैसे तनाव को दूर करता है और बॉडी को फिट रखता है उस महत्व को बताता है। नियामित रूप से योग करने से मोटापा, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर जैसे क्रॉनिक बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है। योग करने से बिना दवाई के कई बीमारियों को दूर किया जा सकता है। योग केवल आसनों का समूह मात्र नहीं है बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन पद्धति है। जीवन के लिए योग रामवाण है। संजीवनी बूटी है।

आज की आधुनिक दुनिया और जटिल जिंदगी में यदि आप मानसिक तनाव मुक्त जीवन के साथ ही शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो योग-ध्यान को अपनाने की बहुत आवश्यकता है। आधुनिक युग में प्रायः हर आदमी जिंदगी की व्यस्तताओं, जटिलताओं, पर्यावरण प्रदूषण, शोरगुल तथा विभिन्न आधुनिक मशीनों से निकलने वाले सुक्ष्म तरंगों के प्रभाव से शारीरिक, मानसिक तनाव तथा थकान अनुभव करता है। योग-ध्यान से इसके दुष्प्रभाव से बचा जा सकता है।

डॉ. सुनील जैन संचय
ज्ञान-कुसुम भवन,नेशनल कान्वेंट स्कूल के सामने,
गांधीनगर, नईबस्ती,ललितपुर 284403, उत्तर प्रदेश
मोबाइल, 9793821108
ईमेल- suneelsanchay@gmail.com
(आध्यात्मिक चिंतक व जैनदर्शन के अध्येता)

वेद ज्ञान

परिवार की डोर

परिवार सजातीय सदस्यों के बीच गहरे संवेदनशील संबंधों का एक सुमेल है। परिवार के सभी सदस्यों को सद्भाव और सम्मान की एक डोर बांधे रखती है। यह डोरी ही सबको एक सूत्र में पिरोती है। यह डोरी जितनी सुदृढ़ होगी परिवार उतना ही खुशहाल एकजुट और स्थायित्व लिए होता है। परिवार का यही मूलमंत्र है कि उसके सभी सदस्य आपसी सहयोग और सम्मान को महत्व दें। बड़े छोटों को प्यार और सहयोग करें और छोटे बड़ों का विश्वास, आदर और सम्मान करें। भारतीय परिवार जब तक सहयोग ले, सम्मान दे के सूत्र पर आधारित था तब तक सभी बाधाओं को चीरकर नित-नूतन विकसित होता रहा, परंतु आज इस लीक से हट जाने पर विसंगतियां और व्यतिक्रम खड़े हो गए हैं। हमारी संस्कृति एकल और संयुक्त परिवार दोनों का एक साथ सम्मान करती है। परिवार में अगर कुछ समस्याएं पैदा होती हैं तो इनका नया समाधान भी मिल जाता है। पारिवारिक सूत्र है कि समस्याएं पैदा होने से पहले ही उनका समाधान हो जाए और यह तभी संभव है जब सभी के बीच एक गहरी आस्था और विश्वास का भाव बना रहे। वर्तमान परिवारों की सबसे बड़ी समस्या है आपसी संबंधों में दरार, अविश्वास और संदेह में लगातार वृद्धि। रिश्तों के बीच विश्वास पनपना चाहिए, परंतु पनप रहा है अविश्वास। रिश्तों का आधार भावना और संवेदना पर आधारित होना चाहिए, लेकिन यह आधारित है गणित के गठजोड़ पर। अविश्वास रिश्तों में खटास पैदा करता है, दूरियां बढ़ाता है और अनेक प्रकार की गलतफहमियां उत्पन्न करता है और यही वजह है कि परिवार टूटते चले जा रहे हैं। इस एकल परिवार की स्थिति भी अत्यंत दयनीय और चिंताजनक है। यहां भी अविश्वास, शक-संदेह और भ्रम व्याप्त है। परिवार कष्टों से सीख लेता है और खुशियां बिखेरता है। परिवार की संरचना ही कुछ ऐसी होती है कि सभी के बीच भावनाएं और संवेदनाएं जुड़ी हुई होती हैं। यही भावनाएं घावों को भरती हैं। संबंधों में यदि भ्रम, संदेह और गलतफहमियां पैदा हो रही हों तो उसे और अधिक बढ़ने के बजाय आपस में या शुभचिंतकों की उपस्थिति में शांत और संतुलित होकर सुलझा लेना चाहिए। संदेह, भ्रम और अविश्वास का कोई अंत नहीं।

संपादकीय

बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है अब मणिपुर

मणिपुर अब एक जटिल दौर में पहुंच गया है। वहां फैली हिंसा को रोकने में न तो केंद्र सरकार सफल हो पा रही है और न राज्य सरकार। दोनों ने वहां के नागरिकों को जैसे अपने हाल पर छोड़ दिया है। वहां गृहयुद्ध जैसे हालात हैं। अब तो यही लगता है कि वहां के लोग ही इस समस्या से पार पाने का कोई रास्ता निकालेंगे। एक महीने से ऊपर हो गया, वहां हिंसा भड़के। इस बीच वहां के मैतेई और कुकी समुदाय के लोग दिल्ली आकर हिंसा रोकने की गुहार लगा गए। कई नामचीन हस्तियां मणिपुर के हालात पर गंभीर चिंता जता चुके और जता रहे हैं। मगर स्थिति काबू में नहीं आ पा रही है। रह-रह कर हिंसा भड़क उठती है। लोग मारे जाते हैं, उनके घर जला दिए जाते हैं। आंकड़ों के मुताबिक अब तक सौ से ऊपर लोग मारे जा चुके हैं। पचास हजार से अधिक लोगों को अपना ठौर-ठिकाना छोड़ कर दूसरी जगहों पर शरण लेनी पड़ी है। हालांकि कुछ दिनों पहले केंद्रीय गृहमंत्री वहां गए और हिंसा पर उतरे लोगों से शांति का रास्ता अख्तियार करने की अपील कर आए। मगर उसका कोई असर हुआ नहीं। तबसे कई हिंसक घटनाएं हो चुकी हैं। अब तो वहां मंत्री और सांसद भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे। कम से कम तीन मंत्रियों के घर जला दिए गए। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि उपद्रवी तत्त्वों के सामने किस कदर सुरक्षाबल निस्सहाय हैं। महीना भर पहले जब हिंसा भड़की थी, तब उसे बेकाबू होते देख उपद्रवियों को देखते ही गोली मार देने का आदेश दिया गया। तब करीब दस दिन तक हिंसक घटनाएं रुकी रहीं। मगर फिर भड़कीं, तो भयानक रूप ही लेती गईं। वहां के शस्त्रागार से चौबीस सौ अत्याधुनिक हथियार और भारी मात्रा में गोली-बारूद उपद्रवियों ने लूट लिए, जिसका उपयोग हिंसा के लिए किया जाने लगा। गृहमंत्री ने अपील की थी कि वे हथियार वापस कर दें, मगर अभी तक इसका भी ब्योरा नहीं मिला है कि कितने हथियार वापस आए। विपक्षी दल खुल कर आरोप लगा रहे हैं कि सरकार खुद कुछ चरमपंथी समूहों को प्रोत्साहन दे रही है। इसके कुछ प्रमाण भी पेश करने के प्रयास किए गए। मगर न तो इस पर सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया आई और न हिंसा को रोकने का कोई व्यावहारिक उपाय निकाला गया। असम के मुख्यमंत्री को कुकी और मैतेई समुदाय के बीच समझौता कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई, मगर उसे दोनों समुदायों ने अस्वीकार कर दिया। राज्यपाल की अगुआई में एक शांति समिति गठित की गई, मगर उसका भी कोई प्रभाव नजर नहीं आता। मणिपुर को लेकर बहुत सारे लोगों के मन में यह रहस्य बना हुआ है कि आखिर सरकारें हिंसा को रोकने में कामयाब क्यों नहीं हो रही हैं या कोई ऐसा रास्ता अख्तियार करती क्यों नजर नहीं आ रही हैं, जिससे वहां शांति बहाली हो। दरअसल, अब यह भी साफ हो चुका है कि इस हिंसा की जड़ में केवल मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने पर विचार करने का वहां के उच्च न्यायालय का आदेश नहीं, बल्कि राज्य सरकार की घोषित-अघोषित नीतियां और इरादे हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नहीं लगी लगाम

जम्मू-कश्मीर घाटी में दहशतगर्दी पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। जम्मू-कश्मीर में दहशतगर्दों के मंसूबे पूरी तरह पस्त कर पाना अब भी सुरक्षाबलों के लिए बड़ी चुनौती है। मगर पिछले हफ्ते कुपवाड़ा और अनंतनाग में जिस तरह सेना ने बड़ी कामयाबी हासिल की उससे जरूर उनकी साजिशों को पलीता लगा है। शुक्रवार को कुपवाड़ा में पांच विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया। उसी दिन अनंतनाग से पांच आतंकी गिरफ्तार किए गए, जो सभी स्थानीय थे। इससे दो दिन पहले कुपवाड़ा में ही दो आतंकियों को मार गिराया गया था। इसके पहले भी पिछले दो महीनों में कई आतंकियों को मुठभेड़ में मारा जा चुका है। इन कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि सेना घाटी में दहशतगर्दों के सफाए को लेकर मुस्तैदी से काम कर रही है। इससे यह भी उम्मीद बनती है कि आतंकवादियों का मनोबल काफी कमजोर हुआ होगा। मगर यह पहली बार नहीं है जब सेना ने इतने कम अंतराल में आतंकियों को मार गिराया या गिरफ्तार किया। वहां पिछले आठ-नौ सालों से गहन तलाशी अभियान चला कर दहशतगर्दों और उन्हें मदद पहुंचाने वालों की पहचान की जा रही है। उनके खिलाफ कार्रवाइयां भी हुई हैं। मगर फिर भी घाटी में दहशतगर्दी पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। बल्कि थोड़-थोड़े अंतराल पर वीभत्सतम साजिशों को अंजाम देने में भी कामयाब होते रहे हैं। ताजा घटना में मारे गए सभी आतंकवादी विदेशी यानी पाकिस्तानी मूल के बताए जा रहे हैं। भारी बारिश और तूफान के बीच वे सुरक्षा इंतजामों को चकमा देकर सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे। दहशतगर्द ऐसी ही परिस्थितियों की ताक में रहते हैं। वे सीमापार प्रशिक्षण लेते, वहां से आकर यहां साजिशों को अंजाम देते और स्थानीय युवाओं को अपने साथ जोड़ने की योजनाएं चलाते हैं। सीमा पर अत्याधुनिक निगरानी तंत्र के जरिए लगातार चौकसी बरती जाने का दावा किया जाता है। पड़ोसी देश में सीमा से लगे इलाकों में चल रहे दहशतगर्द शिविरों पर भी नजर बनाए रखने का दावा किया जाता है। इस तरह सीमा पार से घुसपैठ कम होने का उल्लेख किया जाता है। ताजा घटना से इस चौकसी का प्रमाण भी मिलता है। मगर फिर वही सवाल कि आखिरकार घुसपैठ पर पूरी तरह रोक क्यों और कैसे नहीं लग पाई है। घाटी में आतंकी संगठनों के पास अत्याधुनिक साजो-सामान और वित्तपोषण कहां से पहुंच रहा है। जबकि सड़क के रास्ते दोनों देशों के बीच व्यापार भी बंद है, घाटी में मौजूद ज्यादातर ऐसे लोगों को जेलों में डाला जा चुका है, जो आतंकवादियों को वित्तीय मदद पहुंचाया करते थे। बड़ी उपलब्धि केवल यह नहीं है कि सेना कितने दहशतगर्दों को मार गिराती है। बड़ी चिंता की बात यह है कि घाटी में दहशतगर्दी खत्म होने के बजाय और जड़ें क्यों जमाती गई है। अनंतनाग से पकड़े गए पांच आतंकवादियों से एक बार फिर जाहिर हुआ है कि स्थानीय युवाओं में हथियार उठाने को लेकर कोई हिचक नहीं है। खुद सरकारी आंकड़ों के मुताबिक घटी में उस दौरान भी आतंकवादी संगठनों में कश्मीरी युवाओं की भर्ती न सिर्फ जारी रही, बल्कि कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज की गई, जब अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटने के बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में कर्फ्यू था, संचार सेवाएं ठप थीं। सबसे बड़ी चिंता की बात यही है कि आखिर कश्मीरी युवाओं को हाथों में हथियार उठाने से रोकने में कामयाबी नहीं मिल पा रही।

बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

कवि शर्मा बने अभियान के अध्यक्ष

लक्ष्मणगढ़. शाबाश इंडिया। बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान की नवीन कार्यकारिणी का गठन रविवार को सर्वसम्मति से किया गया। यह जानकारी देते हुए संस्था के प्रवक्ता राजीव सिंह ने बताया कि रविवार को अभियान की बैठक अभियान के संयोजक कवि हरीश शर्मा की अध्यक्षता में संजीवनी हॉस्पिटल प्रांगण में आयोजित की गई, जिसमें अभियान की नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से कार्यकारिणी में कवि हरीश शर्मा को अध्यक्ष, महावीर नायक बगड़ी, मयंक शर्मा, हितेश शर्मा व सायर सिंह को उपाध्यक्ष, कवयित्री डॉ.निरुपमा उपाध्याय को महासचिव, विनित सोनी को सचिव, आकाश झुरिया को कोषाध्यक्ष, अनमोल सुरेका को सह - कोषाध्यक्ष, चंद्रप्रकाश शर्मा को मीडिया प्रभारी, ललित चंदेलिया को सह-मीडिया प्रभारी, राजीव सिंह को प्रवक्ता व प्रदीप पारिक को सह-प्रवक्ता बनाया गया। इस दौरान टीम सदस्यों द्वारा अभियान की ओर से किए जाने वाले सामाजिक कार्यों की रूपरेखा तैयार की गई।

राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा

श्रुत पंचमी महापर्व 2023 के अवसर पर राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। ललितपुर जनपद से दो प्रतिभागियों ने प्रथम स्थान, एक ने द्वितीय स्थान व एक ने सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किया

ललितपुर

श्रमणाचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के आशीर्वाद व श्रमण रत्न सुप्रभ सागर जी महाराज, श्रमण रत्न प्रणत सागर जी महाराज की प्रेरणा व सान्निध्य में राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता आयोजन की घोषणा 16 मई को की गई थी और निबंध भेजने की अंतिम तिथि 24 मई (श्रुत पंचमी) रखी गई थी। प्रतिभागियों को मात्र 9 दिनों की अवधि में निबंध लिखकर भेजना था। प्रतिभागियों ने भारी उत्साह दिखाया और तीनों समूह में 9 राज्यों से हमें 176 निबंध प्राप्त हुए। सभी प्रतिभागियों ने निर्धारित विभिन्न विषयों पर बहुत ही अच्छे ढंग से , चिंतन-मनन और श्रम पूर्वक निबंध लिखे।प्रतियोगिता के निर्देशक/संयोजक डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर ने बताया कि आयोजन समिति ने निर्णय लिया था कि निबंध प्रतियोगिता का परिणाम 20 जून को घोषित किया जाएगा। अतः आज दिनांक 20 जून 2023 को त्रिस्तरीय निर्णायक मंडल की अनुसंशा पर निबंध प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार घोषित किया जाता है -पूर्वाचार्य समूह (45 से 65 वर्ष आयु)- प्रथम पुरस्कार* :- 11000/-व प्रमाण-पत्र श्रीमती ऊषा जैन-संजय कुमार जैन , ललितपुर। द्वितीय पुरस्कार :- 7100/-व प्रमाण-पत्र सपना जैन इटारसी, तृतीय पुरस्कार :- 5100/-व प्रमाण-पत्र मोनिका जैन-सुलभ जैन गाडरवारा।श्रमणाचार्य विशुद्ध सागर समूह (30 से 44 वर्ष आयु वर्ग) - प्रथम पुरस्कार :- 11000/-व प्रमाण-पत्र, डॉ. अरिहंत कुमार जैन, मुंबई, महाराष्ट्र, द्वितीय पुरस्कार :- 7100/- व प्रमाण-पत्र पूजा जैन सेलम, तमिलनाडु, तृतीय पुरस्कार :- 5100/- व प्रमाण-पत्र, सचिन जैन लोहारिया, बाँसवाड़ा, राजस्थान।विशुद्ध रत्न सुप्रभसागर समूह (19 से 29 वर्ष आयु वर्ग)- प्रथम पुरस्कार :- 11000/-व प्रमाण-पत्रसीनू जैन, बानपुर जिला ललितपुर, उत्तर प्रदेश, द्वितीय पुरस्कार :- 7100/-व प्रमाण-पत्र स्वस्ति जैन-सुनील जैन अशोकनगर, तृतीय पुरस्कार - 5100/-व प्रमाण-पत्र, निशांत जैन-पवन जैन नेकौरा जिला ललितपुर।

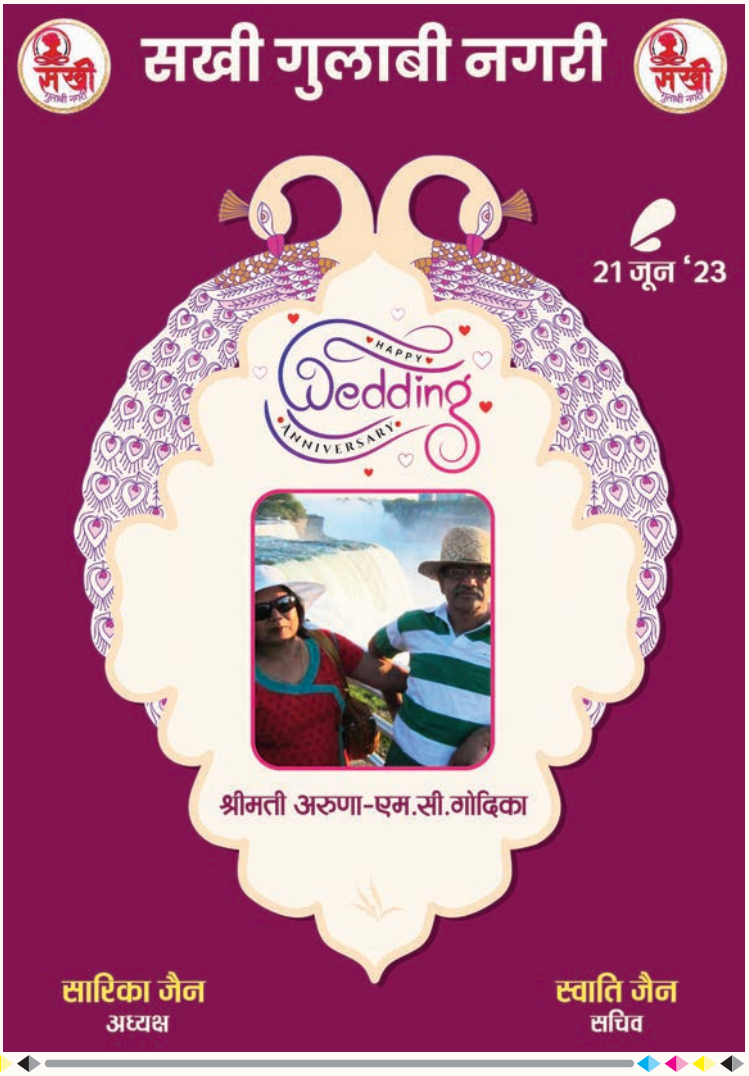

जनकपुरी में आयुर्वेद के वृहद् मेडिकल शिविर में मरीजो की भीड़

आयुर्वेद के आठ विभागों के विशेषज्ञों की टीम ने बीमारियों का किया निदान इएनटी, स्त्री रोग, पंचकर्म, योगा, अग्निकर्म, शल्प तन्त्र, नेत्र रोग, आदि के विशेषज्ञ

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योति नगर जैन मन्दिर के संयम भवन में रविवार को प्रातः आरोग्यम आयुर्वेद द्वारा मन्दिर कमेटी के सहयोग से आयुर्वेद का मेडिकल शिविर लगाया गया। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की शिविर में डॉक्टर स्वेता जैन की पहल पर पहली बार वृहद् स्तर पर विभिन्न विभागों के जयपुर व बाहर के आठ विशेषज्ञ डाक्टर्स की टीम की सहभागिता रही। जनकपुरी समाज के सदस्य वरिष्ठ आयुर्वेद डॉक्टर इंद्र कुमार जैन ने सभी डाक्टर्स का परिचय कराया तथा मन्दिर प्रबंध समिति व महिला मण्डल ने सभी डाक्टर्स व अतिथियों का तिलक माला दुपट्टे से व पादप भेंट कर स्वागत किया। इससे पूर्व दीप प्रज्वलन व आयुर्वेद देवता धन्वंतरी के माल्यार्पण कर नमोकार पाठ किया गया। केम्प में सुबह से ही मरीजों की लाइन लगना शुरू हो गयी तथा समाप्ति तक तीन सो से अधिक मरीजों ने डाक्टर्स से सलाह ली। केम्प में डा कल्पना वर्मा, डा मीना मीनू, डा क्षिप्रा नाथानी, डा ऋचा तिवारी, डा मुकेश साहू, डा माला श्री एस जी, डा अभिषेक सिंह द्वारा इ एन टी, स्त्री रोग, पंचकर्म, योगा, अग्निकर्म, शल्प तन्त्र, नेत्र रोग , आदि की विशेषज्ञ सेवाएँ प्रदान की गई। शिविर में डा चित्रा जैन मयंक जैन मंजु पाटनी निशी जैन अतुल जैन सहित महर्षि च्यवन हेल्थ केयर का सहयोग रहा। शिविर में सभी सेवाएँ ,दवाइयाँ आदि निःशुल्क प्रदान की गई।

सिटिजन यात्रा क्लब ने जयपुर के आस-पास के गांवों के जैन मंदिर के दर्शन कराये

जयपुर. शाबाश इंडिया

सिटिजन यात्रा क्लब ने जयपुर के आस पास के गांवों के जैन मंदिर के दर्शन कराये । प्रातः 6 बजे दुगार्पुरा जैन मंदिर जी से सिटिजन यात्रा क्लब के 28 सदस्य दर्शन कर ऐसी बस से रवाना हुये । सर्व प्रथम आमेर स्थित बाहरली आमेर में नेमीनाथ भगवान के मंदिर पहुंचे। अभिषेक व शान्तिधारा की तथा पूजन पाठ आदि करके सभी ने जलपान किया और बराबर में चिंताहरण पार्वनाथ भगवान व पदमावति माताजी के भी दर्शन किए। वंहा से कूकस चन्द्र प्रभ भगवान के मंदिर के दर्शन किये व आगे अचरोल स्थित श्री देशभूषण आश्रम पहुंचे जहां पार्वनाथ भगवान के दर्शन कर पुण्यार्जन किया। बाहर बगीचे में देशभूषण महाराज व अन्य मूर्तियों के दर्शन व झरणें का वर्षा की उपहारों के बीच आनन्द लिया तथा वंहा से नटाटा के लिये रवाना हुये। नटाटा के अति प्राचीन मंदिर जी पहुच जीन प्रतीमाओं के दर्शन किये और आगे साइवाड पहुंचे। वंहा के विशाल शान्तिनाथ भगवान के मंदिरजी में भगवान शान्तिनाथ व अन्य प्राचीन प्रतिमाओं के दर्शन किए व कासलीवाल परिवार ने सभी दर्शनार्थी श्रावकों का स्वागत किया व सभी को जलपान कराया। सिटिजन यात्रा क्लब के संयोजक डां.एम.एल जैन 'मणि' ने कासलीवाल परिवार का आभार व्यक्त किया फिर जमवारामगढ पहुंचते ही तेज वर्षा के छीटों ने सदस्यों का स्वागत किया। रामगढ के ऊंचाई वाले मंदिरजी में पहुंच भक्तामर का पाठ किया व दर्शन किए। वंहा से सायपुरा के जैन मंदिरजी में पहुंचे व वंहा श्री महावीरजी तीर्थ क्षेत्र कमेटी ने मंदिर की सुन्दर व्यवस्था कर रखी है। भगवान की प्रतिमाओं के दर्शन कर लांगडियावास के लिए रवाना हुये ।फिर चावण्ड का मंड दर्शन करने पहुंचे,जंहा रतन लाल सोगानी मंदिर अध्यक्ष ने बहुत सुन्दर व्यवस्था कर रखी। सभी ने दर्शन किए व उनकी धर्मशाला में सुबह का स्वयं का भोजन किया। इस यात्रा में सुरेश-आभा गंगवाल, प्रेमचंद-कान्ता गंगवाल,एन के जैन-विनिया जैन, अशोक-उमीर्ला कासलीवाल, राजकुमार-प्रेमलता जैन, रवि-सुशीला चांदवाड, अशोक-सुधा पाटनी,एम के जैन-उमीर्ला जैन, डॉ. एम.एल जैन 'मणि'-डां शान्ति जैन मणि(संयोजक),अरविंद-विनिता अजमेरा, प्रेमलता देवी, पदम पाटनी, नवरतन ठोलिया, वीणा जैन, स्नेहलता, विजिया जैन, मैना बडज्याता व मनोरमा पाटनी ने यात्रा का पुण्यार्जन किया ।संयोजक डां मणि व डां शान्ति जैन मणि ने सबका आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिया।

आचार्य श्री विवेक सागर जी ने कहा...

जीवित पशुओं का निर्यात स्वीकार्य नहीं

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। दिगंबर जैन समाज के आचार्य विवेक सागर महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति पर बहुत बड़ा कुठाराघात होगा यदि जीवित पक्षियों का निर्यात भारत से होगा पिछले कुछ समय से जैन समाज में ज्वलंत मुद्दा बना हुआ है इसी क्रम में आज दिगंबर जैन महासंघ के तत्वाधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम जिलाधीश महोदय के द्वारा ज्ञापन दिया गया संस्था के सचिव प्रकाश जैन पाटनी ने बताया पशुपालन मत्स्य विभाग के द्वारा दिनांक 7 जून को एक अधिनियम प्रस्तावित किया जिसमें जीवित पशुओं को कमोडिटी मानकर उनका एक्सपोर्ट किया जाना था जिसका विरोध एवं अधिनियम का वापस लेने हेतु समय सीमा 10 दिन की रखी गई थी जोकि न्याय संगत नहीं है भारतीय संविधान

के मूल निर्देश तत्वों का हनन होता है यदि यह अधिनियम पास होता है जीवित प्राणियों की सुरक्षा एवं संवर्धन सरकार का दायित्व है जैन समाज अहिंसक समाज है पूर्व में भी मांस के निर्यात का भी पुरजोर निषेध किया था भारतीय संस्कृति मैं गाय की पूजा की जाती है जिसमें 34 करोड़ देवी देवताओं का निवास होता है ऐसी सनातन मान्यता है उसे निर्दयता पूर्वक मांस के लिए कांटा जाना कहां तक उचित है संस्था के अध्यक्ष प्रमोद सोनी ने कहा कि यदि सरकार इस विधेयक को वापस नहीं लेती है तो जैन समाज की अग्रणी भूमिका में सभी सामाजिक संगठनों को साथ लेकर एक मौन आंदोलन चलाएगी जब तक यह विधेयक वापस नहीं होता मूक प्राणियों की हत्या जैन समाज कभी स्वीकार नहीं करता समय अवधि के अंदर पिछले 10 दिन के अंदर लाखों लोगों ने मेल के द्वारा इसका विरोध किया है और आगे भी विरोध जारी रहेगा एसपीसीए की सदस्य डॉ मंजू शर्मा ने कहां की यह एक क्रूर तम अपराध है बाहर की रेवेन्यू को अर्जित करने के लिए जीवित पक्षी पशुओं का निर्यात करना मानवीय संवेदनाओं का दम निकालना है उन्होंने भी इस आंदोलन को उग्र रूप देने की घोषणा की यदि यह विधेयक पास होता है तो ज्ञापन देने वालों में ज्ञान चंद जैन, प्रेमचंद जैन, वीरेंद्र जैन, राजेंद्र पाटनी, महेंद्र काला,अजय पाटनी,राजेश काला, पवन बाकलीवाल समाज की अग्रणी संस्थाओं की बहने सहित अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

लायन क्लब अजमेर वेस्ट की नई कार्यकारिणी गठित

उप्पल अध्यक्ष, अग्रवाल सचिव, गुप्ता कोषाध्यक्ष चुने गए

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायन क्लब अजमेर वेस्ट की सत्र 2023-24 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा वैशालीनगर स्थित होटल क्रेजी टेल में अयोजित साधारण सभा में नॉमिनेशन कमेटी के चेयरमैन लायन प्रवीण गुप्ता, सदस्य लायन वी के पाठक, लायन रियाज मंसूरी द्वारा की गई। लायंस मार्केटिंग के डिस्ट्रिक चेयरपर्सन लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि निवर्तमान अध्यक्ष लायन अमितप्रभा शुक्ला, अध्यक्ष लायन वीना उप्पल, उपाध्यक्ष लायन अनिल उदासी, लायन नवरतन सोनी, सचिव लायन तरुण अग्रवाल, सह सचिव लायन हेमंत गुप्ता, कोषाध्यक्ष लायन सी पी गुप्ता, सहकोषाधक्ष लायन हेमंत अग्रवाल, एलसीआई एफ कोडिनेटर लायन अमितप्रभा, टेमर लायन पी पी अग्रवाल , क्लब मार्केटिंग चेयरमैन लायन अनुपम गोयल, टेल ट्विस्टर लायन अब्दुल फरीद, क्लब सर्विस लायन आर के शर्मा, क्लब लीडरशिप चेयरपर्सन लायन अनिल उदासी, क्लब एडमिनिस्ट्रेटर लायन सतीश बंसल को नियुक्त किया गया हैं। नयनियुक्त क्लब अध्यक्ष लायन वीना उप्पल ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि क्लब सदस्यो के सहयोग से इस साल भी जोर शोर से सेवा कार्य किए जायेंगे। प्रांतीय कार्यक्रम नया सवेरा नई उम्मीद के तहत हर वंचित तक पहुंचने के साथ साथ सामाजिक सरोकार के कार्य भी किए जायेंगे ।

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एस.एफ.एस में पांच दिवसीय विधान प्रारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एस.एफ.एस. में हर वर्ष की तरह पंचकल्याणक महोत्सव पूजन विधान पर्व की दिनांक 17 जून से दिनांक 21जून तक भगवान के गर्म जन्म तप ज्ञान निर्वाण महोत्सव विधानमंडल की पूजन प्रारंभ की जाएगी। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रातः शांति धारा सोधर्म इंद्र कैलाश चंद बीना जैन , भगवान के माता पिता के रूप में महेंद्र विमला लुहाडिया , विनोद किरण झं'झरी परिवार के द्वारा शांतिधारा की गई। झंडारोहण प्रेमचंद राजेश श्रीमती नीता काला ने किया। दीप प्रज्वलन समिति के महामंत्री सौभाग मल श्रीमती अंजना जैन कासलीवाल ने किया। विधानमंडल पर दीप प्रज्वलन महेंद्र विमला लुहाडिया एवं मंगल कलश स्थापना कैलाश चंद बीना जैन, चतुष्कोण कलश स्थापना चंद्र प्रकाश चंदा छाबड़ा, सौभाग मल अंजना देवी कासलीवाल, सुरेंद्र बबीता पाटनी ने स्थापित किया। पूजन विधान 8:30 संगीत से अरिहंत म्यूजिकल ग्रुप के संगीतकार सुनील पाटनी लवान वाले द्वारा सभी श्रावको को भक्ति भाव से नाचते गाते हुए मंडल पर आज गर्भ कल्याणक के 24 अरध चढ़ाए गए ।

आचार्य विद्यानंद जी का राष्ट्र को अवदान-संगोष्ठी सम्पन्न

शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ द्वारा घोषित श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानंद जन्म शताब्दी समारोह 2023- 24 के अंतर्गत दिनांक 18 जून 2023 को आगरा में परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के शुभ आशीर्वाद से ब्रह्मचारी जय निशांत जैन के प्रतिष्ठा आचार्यत्व में श्री आदिनाथ दिगंबर जैन पंचकल्याणक प्रतिष्ठा समारोह के अंतर्गत आचार्य श्री विद्यानंद जी का राष्ट्र को अवदान विषय पर विद्वत संगोष्ठी का आयोजन अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन, एडवोकेट अलीगढ़ की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस विद्वत संगोष्ठी में डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, डॉ. अनिल कुमार जैन, जयपुर, अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ के कार्याध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र जैन भारती, बुरहानपुर महामंत्री -डॉ. अखिल जैन बंसल, पूर्व कोषाध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद जैन आगरा, श्री कमल हाथी शाह, भोपाल, पंडित सौरभ जैन आगरा, पंडित महावीर प्रसाद जैन, नई दिल्ली, पंडित जिनेन्द्र जैन, मथुरा, श्रीकांत जैन,समनेवाडी आदि विद्वानों ने सहभागिता की। सभी विद्वान पत्रकारों का दिगंबर जैन पंचायत समिति के अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद जैन तथा उनके साथियों ने मोती माला, पगड़ी, अंग वस्त्र, मोमेंटो प्रदान कर सम्मान किया। यहां उल्लेखनीय है कि जैन पत्र संपादक संघ के वरिष्ठ सदस्य श्री जगदीश प्रसाद जैन आगरा ने ही विशाल मानस्तंभ का निर्माण करवाया है। संगोष्ठी का संचालन अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ के कार्याध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र जैन भारती, बुरहानपुर ने किया। संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए डॉ. अनिल कुमार जैन, जयपुर ने कहा कि -मुझे सन् 1965 में आगरा में आचार्य विद्यानंद जी के चातुर्मास की याद है। उस समय मैं पांचवी कक्षा में पढ़ता था. उनके प्रवचन रामलीला मैदान में या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर होते थे जिसमें जैन लोग ही नहीं बल्कि हिंदू, सिख और मुसलमान लोग भी आते थे। उनके प्रवचन आम जनता को संबोधित करते हुए होते थे। आगरा में उस समय जैन धर्म की बहुत प्रभावना हुई। आचार्य श्री का मानना था कि जैन धर्म को विश्व धर्म के रूप में स्थापित करने की पूरी क्षमता है। उन्होंने कई नये कवियों को आधुनिक भाषा में लोकप्रिय भजन लिखने के लिए प्रेरित किया जिससे जैन धर्म का प्रचार हो. आचार्य श्री प्राकृत भाषा के लिए समर्पित थे, इसी कारण उन्होंने कुंदकुंद भारती की स्थापना करवाई. जैन धर्म के सभी संप्रदायों के प्रमुख संतों से उनकी बहुत मित्रता थी। उनके साथ मिलकर सन् 1974-75 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भगवान महावीर का पच्चीसवां निर्वाण उत्सव का अभूतपूर्व आयोजन करवाया। सवाईमाधोपुर जिले में स्थित भगवान-महावीर की मूर्ति का सहस्राब्दी समारोह आपकी प्रेरणा से ही हुआ। सन् 1981 के श्रवणवेलगोला में भगवान बाहुबली की मूर्ति के सहस्राब्दी समारोह में भी आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। आचार्य श्री एक खोजी विद्वान थे। उनकी इसिहास में भी विशेष रुचि थी। उन्होंने यह सिद्ध करने में सफलता प्राप्त की कि हड़प्पा काल में जैन धर्म था। उनकी हड़प्पा, मोहनजोदड़ो आदि पुस्तकें इसका प्रमाण हैं।वे यह भी स्थापित करने में सफल रहे कि भगवान आदिनाथ जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर थे।जैन धर्म के प्रचार-प्रसार में उनका अमूल्य योगदान रहा है।उनकी जन्म शताब्दी के अवसर पर मेरी उन्हें मेरी विनयांजलि समर्पित है। श्री कमल हाथीशाह, भोपाल ने कहा कि आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज ने सम्यक्दर्शन के प्रभावना अंग का अनुकरण करते हुए संपूर्ण राष्ट्र में जैन धर्म की प्रभावना की। अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ के महामंत्री डॉ.अखिल जैन बंसल ने आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज के शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान को प्रतिपादित किया और कहा कि आज जो संपूर्ण भारतवर्ष में प्राकृत भाषा के अध्ययन -अध्यापन की स्थिति बनी है, उसका श्रेय आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज को ही जाता है।उन्होंने कुंदकुंद भारती में प्राकृत भवन, खारवेल भवन की स्थापना करवाई और लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ में जैन दर्शन एवं प्राकृत विषय का विभाग खुलवाया तथा अध्ययन- अध्यापन की व्यवस्था करवायी। उनकी ही प्रेरणा का परिणाम है कि प्राकृत भाषा के विद्वानों को राष्ट्रपति के द्वारा पुरस्कृत किया गया। अखिल भारतीय संपादक संघ के कार्याध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र जैन भारती, बुरहानपुर ने कहा कि श्रवणबेलगोला स्थित बाहुबली भगवान की गोम्मटेश्वर बाहुबली भगवान की प्रतिमा के प्रति 12 वर्ष में होने वाले महोत्सव को आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज ने संपूर्ण विश्व का उत्सव बना दिया और लोगों को प्रेरणा दी कि तपसे ज्ञान एवं ध्यान से सिद्धि मिलती है।

श्रेष्ठ शिक्षा के लिए, समग्र नेतृत्व, प्रेम, आनंद और प्रभावी नेतृत्व- चार दिवसीय सेमिनार का आयोजन

छात्रों की क्षमता उजागर करने के लिए संस्कृति और मूल्यों को जोड़ना जरूरी

नई दिल्ली। शिक्षा विभाग, एनसीटी दिल्ली सरकार और राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली के सहयोग से समग्र नेतृत्व आयोजित शिविर लगभग 100 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयुध द्वारा अमृतापुरी में अमृतापुरी में 14 से 18 जून तक शिक्षा विभाग, एनसीटी दिल्ली सरकार और राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली के सहयोग से समग्र नेतृत्व सेमिनार का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरूआत शिक्षा निदेशक, हिमांशु गुप्ता (आईएएस) और शिक्षा विभाग और एससीईआरटी के अन्य अधिकारियों ने की। जिसमें दिल्ली भर के विभिन्न स्कूलों से चुने गए उप निदेशक, प्रधानाध्यापक और शिक्षक शामिल थे। इस कार्यक्रम में कुल 100 चयनित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का विषय प्रेम, अनुराग प्रभावी नेतृत्व शिक्षकों के लिए था और इसे शिक्षकों के क्षमता निर्माण के लिए डिजाइन किया गया था। जो कि रोल मॉडल हो सकते हैं। यह अमृता विश्व विद्यापीठम के सहयोग से माता अमृतानंदमयी मठ की युवा शाखा अयुध द्वारा केरल में आयोजित किया गया अमृता विश्वविद्यापीठम के कुलपति व अयुद्ध के अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख स्वामी अमृतस्वरुपनंद जी ने कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए कहा कि, पूज्य अम्मा व आश्रम का उद्देश्य देश के हर बच्चे को श्रेष्ठ शिक्षा प्रदान कर उनको सफलता के शिखर तक पहुंचाना है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आचार्य सौरभ सागर महाराज का जयपुर जिले की सीमा में हुआ प्रवेश

जैन बन्धुओं ने की भव्य अगवानी 25 को हवामहल से होगा भट्टारक जी की नसियां में भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य गणाचार्य पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता पुष्पदंत सागर महाराज के सुयोग्य शिष्य आचार्य भगवन 108 सौरभ सागर महाराज ने आगरा से लंबा विहार करते हुए मंगलवार को प्रातः जयपुर जिले की सीमा में प्रवेश किया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस मौके पर गुरुदेव का जयपुर जिले की सीमा पर जैन बंधुओं ने जोरदार अगवानी व अभिनंदन किया। परम पूज्य गुरुदेव 108 सौरभ सागर महाराज का 2023 का मंगलमय चातुर्मास जयपुर के दक्षिण संभाग प्रताप

नगर के श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर 8 में होने जा रहा है। परम पूज्य गुरुदेव का भव्य मंगल प्रवेश रविवार 25 जून को बड़ी चौपड़ पर स्थित हवा महल से विशाल लवाजमे के साथ जौहरी बाजार होता हुआ भट्टारक जी की नसिया में होगा। राजस्थान जैन युवा महासभा दक्षिण संभाग के अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया ने बताया है कि मंगलवार को मोहनपुरा में राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जनकपुरी दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष पदम चन्द बिलाला,सचिन जैन कामा, शिखर चंद सारसोप, अतुल लवली मंगल, प्रमोद जैन बावड़ी, दुर्गा लाल नेता, महावीर जैन आवा, धर्म जैन परणा, धर्म जैन अलवर, मुकेश जैन, मनीष जैन सहित सैकड़ों श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा, दुगार्पुरा मंदिर प्रबंधकारिणी समिति, जनकपुरी दिगम्बर जैन मंदिर प्रबंधकारिणी समिति, चित्रकूट कालोनी दिगम्बर जैन मंदिर प्रबंधकारिणी समिति सहित अन्य मंदिरों की ओर से आचार्य श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. का चातुर्मास के लिए धर्मनगरी भीलवाड़ा में मंगल आगमन

अरिहन्त भवन में प्रवचन मंगलवार सुबह 9 बजे से

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शहर के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित स्थानक रूप रजत भवन में वर्ष 2023 का चातुर्मास करने जा रहे मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या मरूधरा ज्योति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 6 का सोमवार दोपहर भगवान महावीर के जयकारों की गूंज के बीच धर्मनगरी भीलवाड़ा में मंगल आगमन हो गया। अजमेर रोड स्थित दिवाकरधाम से विहार कर महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के साथ आगम मर्मज्ञ डॉ. श्रीचेतनाजी म.सा., मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. एवं नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा भीलवाड़ा में सुभाषनगर विस्तार स्थित अमरचंद, ऋतुराज, अभयराज, अंकुशकुमार जैन के निवास पर पहुंचे। नगर प्रवेश पहले सोमवार सुबह होना तय था लेकिन मौसम अनुकूल नहीं होने से दोपहर में विहार हुआ। विहार मार्ग में जगह-जगह श्रावक-श्राविकाएं उनका दर्शन-अभिनंदन का लाभ लेते रहे। नगर प्रवेश के बाद महासाध्वी इन्दुप्रभाजी ने सभी श्रावक-श्राविकाओं के लिए मंगलभावनाएं व्यक्त करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। विहार यात्रा में भीलवाड़ा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से प्रबुद्ध श्रावक-श्राविकाएं शामिल हुए। श्री अरिहन्त विकास समिति चन्द्रशेखर आजादनगर के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा, युवा मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ सहित कई पदाधिकारी भी विहार यात्रा में शामिल थे। मंत्री चौरड़िया ने बताया कि महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा सुभाषनगर विस्तार से विहार कर सोमवार शाम आरके कॉलोनी स्थित अरिहन्त भवन पहुंच गए। महासाध्वी वृन्द का प्रवचन मंगलवार सुबह 9 बजे से अरिहन्त भवन में ही होगा। अरिहन्त भवन में भी कई श्रावक-श्राविकाएं साध्वीवृन्द के दर्शन एवं आशीर्वाद पाने के लिए पहुंचे।

चातुर्मासिक मंगलप्रवेश 28 जून को: सोजत से विहार कर भीलवाड़ा पहुंचे महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश 28 जून को चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित स्थानक रूप रजत भवन में होंगा। चन्द्रशेखर आजादनगर स्थानकवासी जैन समाज में पहली बार चातुर्मास होने से क्षेत्र के जैन धर्मावलम्बियों में भी विशेष उत्साह का माहौल है। गौरतलब है कि महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. इससे पूर्व भी भीलवाड़ा में शास्त्रीनगर स्थित अहिंसा भवन, बापूनगर स्थित महावीर भवन एवं आरके कॉलोनी स्थित अरिहन्त भवन में चातुर्मास कर शहरवासियों को धर्मलाभ प्रदान कर चुके है।

महानगर ग्रुप ने मनाया फादर्स डे

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप महानगर ने सनराइज वॉटर पार्क में पुल पार्टी के साथ फादर्स डे सेलिब्रेट किया। ग्रुप अध्यक्ष संजय जैन आंवा एवं सचिव सुनील गंगवाल ने बताया कि ग्रुप के सभी पूर्व अध्यक्षों ने केक काटकर सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी। छोटे छोटे बच्चों ने अपने पिता के लिए जिस प्रकार अपने उद्गार व्यक्त किए उससे परिवार के सभी सदस्य भावुक हो गए।इस अवसर पर कविता, गीत और नृत्य के माध्यम से भी अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति की। सदस्यों ने पुल पार्टी का भरपूर आनंद लिया ।इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन, पूर्व अध्यक्ष चंद्रशेखर जैन, रवि प्रकाश जैन, वीरेन्द्र जैन, डॉ. राजीव जैन और दीपेश छाबड़ा मौजूद रहे। कार्यक्रम के संयोजक पंकज -विनीता, राज-अमिता, अखिल-कविता, आशीष -रीमा और तरुण -श्वेता ने सभी नए सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

वेदी प्रतिष्ठा में मंत्रोच्चार से अर्घ चढ़ाए

दान देने से कोई गरीब नही होताः आर्यिकाश्री

जयपुर. शाबाश इंडिया

वरुण पथ मानसरोवर श्री दिगंबर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका 105 भरतेश्वरी माताजी ससंघ के सानिध्य व पंडित प्रद्युमन शास्त्री के निर्देशन में तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के द्वितीय दिन प्रातः नित्यभिषेक, शांति धारा, के साथ याग मंडल विधान मे सैकड़ों महिला एवं पुरुषों ने संगीतमय पूजा के अर्ध समर्पित किए।चित्र अनावरण, पादप्रक्षालन कांता देवी, माणक चंद बड़जात्या लालसोट परिवार ने किया। इससे पूर्व आर्यिकाश्री ने प्रवचन में बताया कि दिया हुआ दान इस जन्म में कई गुना ही नहीं अगले भव में भी लौट कर मिलता है, दान देने से कोई गरीब नही होता। सुनील जैन गंगवाल ने बताया सांयकाल आरती व 48 दीपकों से ऋद्धि मंत्रो सहित भक्तामर अनुष्ठान किया गया जिसके पुण्यार्जक सुरेश चंद कनक लता जैन थे। सौधर्म इंद्र पुरन मल ललिता अनोपडा ने बताया कि कल वेदी निष्ठापन, विश्व शांति महायज्ञ, हवन एवम पूणार्हूति होगी। समिति अध्यक्ष एम पी जैन, मंत्री जे के जैन ने बताया इस कार्यक्रम के दौरान नवनिर्मित वेदी में श्रीजी को विराजमान करने के साथ नवीन कार्यालय का भी उद्घाटन किया जाएगा। इस दौरान राजस्थान जैन सभा पूर्व अध्यक्ष कमल बाबू जैन, एस एफ एस के मंत्री सोभाग मल जैन, ज्ञान बिलाला, राजेंद्र सोनी, हेमेंद्र सेठी, सुनील गोधा, वीरेश जैन टी टी, अनिल दीवान, विमल बाकलीवाल, पदम चंद जैन, अजीत जैन, गिरीश जैन, सतीश कासलीवाल, निर्मल काला, सुशीला टोंग्या, हिमानी जैन, वीणा जैन आदि उपस्थित थे।

महिला जैन मिलन ने योग प्रशिक्षण शिविर लगाया

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। अन्तर्राष्ट्रीययोग दिवस के तारतम्य में महिला जैन मिलन द्वारा एक दिवसीय नवकार योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन तुलसी सरोवर पार्क में किया गया। अध्यक्ष दीप्ति कांसल ने बताया कि महिला जैन मिलन द्वारा एक दिवसीय नवकार योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन तुलसी सरोवर पार्क में श्रीमती सपना सोनी के निर्देशन में किया गया। प्रातः 6 बजे शिविर का प्रारम्भ योग प्रशिक्षिका जी को तिलक लगाकर उनका सम्मान किया गया। इस योगाभ्यास शिविर में सपना सोनी ने सभी को योग की जानकारी देते हुए योगाभ्यास के दौरान जोगिंग, सूर्य नमस्कार, योग, आसन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया, साथ ही शरीर के जोड़ों के लिए लाभकारी मेरेडियन एक्सरसाइज कराई गई उन्होंने कहा योग का अर्थ है जुड़ाव, योग आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है जीवात्मा का परमात्मा से मिल जाना पूरी तरह से एक हो जाना ही योग है। इस शिविर में अध्यक्ष दीप्ति जैन कांसल, मंत्री श्वेता जैन भोपाली, अंजू बाँझल,यीशु कांसल, सारिका जैन, विनीता सम्यक ज्वेलर्स, विनीता जैन, डिंपल केटी , शारदा जैन राजुल जैन, परी जैन आदि बहनों ने सहभागिता की और इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

जयपुर हार्डवेयर मर्चेंटस एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी घोषित

रमन लोहिया अध्यक्ष व मनोज जैन पापड़ीवाल महामंत्री

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर हार्डवेयर मर्चेंटस एसोसिएशन के 40 वें वार्षिक अधिवेशन अध्यक्ष विमल जैन की अध्यक्षता में वर्ष 2023-24 के लिए नई निर्विरोध संपन्न हुए। गठित नई कार्यकारिणी में रमन लोहिया अध्यक्ष, मनोज जैन पापड़ीवाल महामंत्री, सुभाष जाजू कोषाध्यक्ष, इंदूराज शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राम प्रसाद व्यास उपाध्यक्ष, ओम अग्रवाल मंत्री, श्रीनिवास बिहानी सहमंत्री निर्विरोध निर्वाचित हुए साथ ही अध्यक्ष ने सहवरण सदस्य अखिलेश कांटे वाला, महेश शर्मा, शिव जालान, अनिल मुखी को लिया। कार्यकारिणी में सदस्य विकास खंडेलवाल, अनीश लिखयानी, प्रमोद सिंगला, अर्पित जैन ,अशोक शर्मा, रामअवतार स्वामी, नितेश अग्रवाल, विजय कुमावत ,दीपक अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, रामधन मोदी, मोहनलाल अमेरिया ,गुंजन भाटिया निर्विरोध चुने गए। चुनाव अधिकारी अरुण सक्सेना व हंसराज शर्मा ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को संस्था हित में कार्य करने की शपथ दिलाई एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। अध्यक्ष विमल जैन ने पूर्व अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य ,चुनाव अधिकारी एवं मंच संचालन तरुण गोयल को माला पहनाकर स्वागत किया। सदन में उपस्थित सभी ने निर्विरोध निर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं प्रेषित की।

शिविर में 193 मरीजों की नेत्र जांच

जयपुर. शाबाश इंडिया। शेखावाटी अग्रवाल समाज संस्था के बैनर तले संजय एंड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के सौजन्य से 127 वाँ निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर आज विद्याधर नगर,सेक्टर-7 स्थित महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल में आयोजित किया गया। जिसमे 193 मरीजों ने आंखों की जांच करवाई और 139 व्यक्तियों को चश्मे वितरण किए। इसक अलावा 11 व्यक्तियों को ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। इस मौके पर संस्था के सदस्य नथमल बंसल, अम्बिका प्रसाद बंका, अनिल कुमार सिंगडोदिया , विनोद गुप्ता, राम सुंदर जयपुरिया, अरुण काबरा, श्रीगोपाल लाल अग्रवाल, बजरंग लाल अग्रवाल, सुरेश टेकरीवाल, अनिल शर्मा, शिव कुमार जालान, सुरेश भूतिया, दिनेश टेकरीवाल, हीरालाल वर्मा, मुकेश मीणा, राजेंद्र व मनोज उपस्थित हुए।

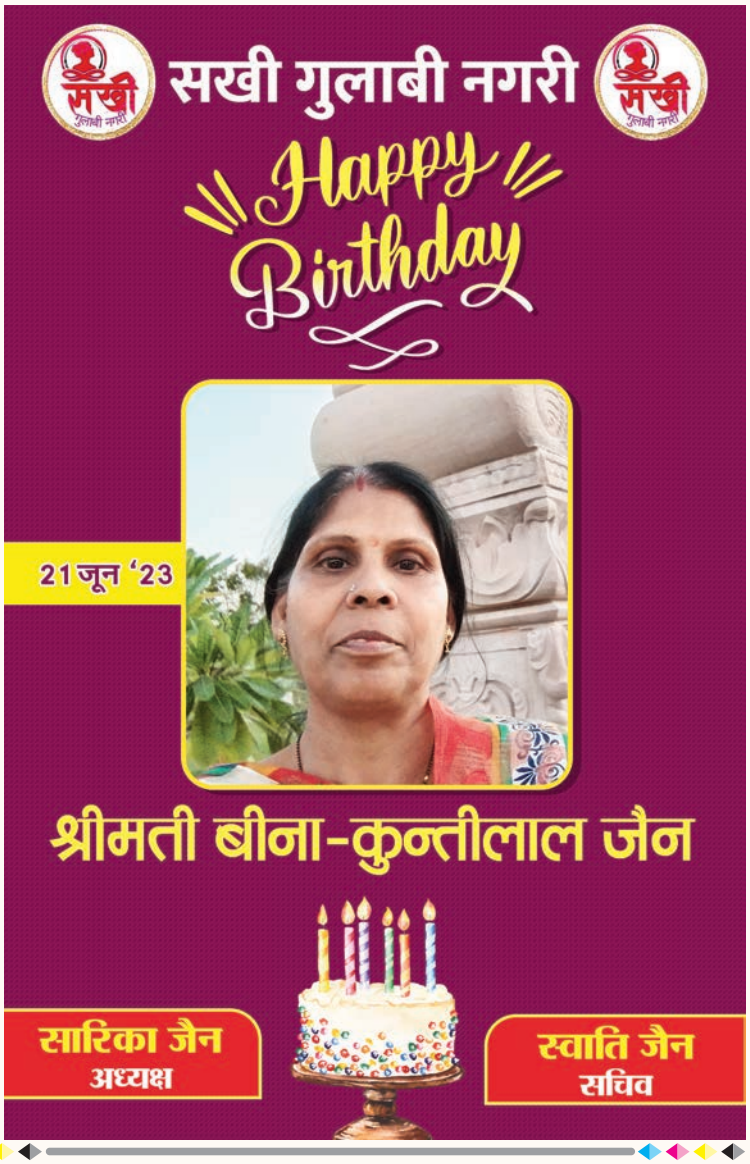

वैज्ञानिक घांस पर शोध कर रहे हैं, हम मनुष्य पर: मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी

मुनि पुंगव ने किया करगुआ तीर्थ झांसी से विहार

आगरा व ग्वालियर के भक्तो का भाग्य खुलेगा: धुर्रा

झांसी. शाबाश इंडिया

आज इस विश्व विद्यालय में घांस जैसी वस्तु पर शोध हो रहा है उसके शोध पर हजारों वैज्ञानिक लगे हैं कौन से घांस में किस चीज की मात्र कितनी पाई जाती है हम साधु घांस की जगह आपके जीवन को कैसे उपयोगी वनाऊ इसी में लगे हैं हम शोध कर रहे हैं कि मनुष्य इस प्रकृति को क्या दे सकते हैं इस पर अनुसंधान लगा तार चल रहा है कहीं पड़ोसी तो दुःखी नहीं कही आपसे राष्ट्र तो दुःखी तो नहीं है आप राष्ट्र को क्या दे सकते हैं महावीर स्वामी का भी तो सबसे बड़ा संदेश यही था जियो और जीने दो तुम से कितने लोग अहोभाग्य मानते हैं कितनेलोग तुम से सुखी हो इस कलयुग में सबसे अधिक मनुष्य से नदियां, हवाये, परिवार पत्नी वेटा तक दुःखी है यहां तक कि तुम्हारे गुरु तक दुःखी है साधु आप से कुछ नहीं चाहता साधु तो आपके दुःख को देखकर आपकी आदतों को देख कर दुखी हो जाता है हम आपको सुखी देखना चाहते हैं मुझे तो आज चालीस पैंतालीस सालो में आज तक किसी ने दुख नहीं दिया दे भी नहीं सकता लेकिन यदि साधु उपदेश दे रहा है तो कहीं ना

कहीं साधु के मन में आ रहा है कि आपके जीवन मैं सुख कैसे वनाऊ हम इतना चलकर आये है तो आराम करना चाहिए था थके हुए थे लेकिन नहीं साधु आपको देखकर आप पर करूणा करके उपदेश देने लगा।

ग्वालियर की ओर मुनि संघ ने किया मंगल विहार

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि आज प्रातः काल की वेला में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज एवं क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ का विहार तीर्थ क्षेत्र करगुआ झांसी से हो गया संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के संकेत अनुसार विहार कि दिशा ग्वालियर आगरा की ओर है देखना ये है कि अव किसके भाग्य खुलते है करगुआ तीर्थ से विहार कर संघ झांसी युनिवर्सिटी पहुचा जहां पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप आदित्य प्रवीण जैन विश्व परिवार निलय जैन कमल जैन राजमणि जैन सहित सैंकड़ों भक्तों ने गुरुवार की अगवानी की इस दौरान मुनि ने सभी को आशीर्वाद दिया इस अवसर पर विशाल धर्म सभा को संबोधित करते हुए प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए ,जल को शुद्ध की आवश्यकता है। मुनि पुगंव ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में घांस पर शोध हो रहा है जल

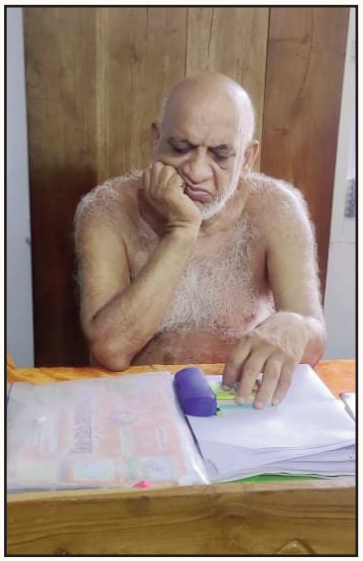

पर शोध हो रहा है उसे कैसे अधिक उपयोगी वनाऊ लेकिन हम नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं प्रदूषण मुक्त करने के लिए कुछ नहीं कर रहे हवाओं पर शोध हो रहा है लेकिन हवाऐं इतनी प्रदूषित हो गई है कि सांस लेना हमलोग भी चलती फिरती युनिवर्सिटी है हम मनुष्य को कैसे अच्छा वना सकते हैं कैसे मनुष्यो के खोट निकल सकते हैं किसमें कौन सी क्षमता है जगत कल्याण के लिए मनुष्य क्या कर सकता है इसी में लगे हैं मानव और मनवता में जो अंतर आ गया है उसे दूर करना होगा दोपहर बाद मुनि संघ ने आगे की ओर विहार कर दिया।

अंबाबाड़ी जैन मंदिर वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन

विश्व शांति के लिए हवन और नवीन वेदी में विराजे श्रीजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से श्री दिगम्बर जैन मंदिर अंबाबाड़ी के चल रहे त्रिदिवसीय श्री मज्जिनेन्द्र वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन विश्व शांति हवन व श्रीजी को नवीन वेदी में विराजमान करने के साथ हुआ। इस दौरान आयोजन में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष टीकम चंद सेठी व मंत्री सुरेश कुमार ठोलिया ने बताया कि महोत्सव अन्तिम दिन सुबह श्रीजी की शांतिधारा व अभिषेक के बाद कार्यक्रम स्थल से भगवान पार्श्वनाथ को नगर भ्रमण कराया। भ्रमण के बाद पांडाल में विश्व शांति के लिए 21 हवन कुंडों में 108 प्रकार की हवन सामग्री से सौधर्म इन्द्र अखिल व उनकी शचि इन्द्राणी रजनी सेठी व सभी अन्य इन्द्रों और सैकड़ों श्रावकों ने हवन कुंडों में आहुतियां दी। मंदिर के संस्थापक प्रेमचंद बड़जात्या ने बताया कि संयुक्त मंत्री अशोक सौगानी ने बताया कि शाम की महाआरती का सौभाग्य विमल झांझरी परिवार को मिला। इसलिए परिवार को अम्बाबाड़ी जैन समाज उनके निवास स्थान से उन्हें बग्गियों में बिठाकर जैन मंदिर तक लेकर आये और सैकड़ों की संख्या में श्रावक श्रावकिओं ने के सानिध्य में नई वेदी में विराजित भगवान की महाआरती की। अंत में अध्यक्ष टीकम चंद सेठी व मंत्री सुरेश ठोलीया ने सभी का आभार प्रकट जताया।